होम वर्क:

प्रश्न 14:- यादों की दीवारों पर क्या लिखा है?

उत्तर:

1. वैरायटी गीत है- मेरे बाबा, मीठे बाबा, प्यारे बाबा, सिकिलधे बाबा, दिल की धड़कन बाबा, नसों का रक्त बाबा, श्वांसों के प्राणवायु बाबा, वाह बाबा वाह, वाह ड्रामा वाह, वाह रे मैं, वाह ब्राह्मण परीवार वाह, वाह बच्चे वाह, मेरे बच्चे, जी बाबा, हाजीर बाबा, अभी बाबा, हाँ बाबा हाँ, सुक्रिया बाबा.....
2. पाना था सो पा लिया, राजी तेरी रजा में, एक तेरा साथ हमको दो जहां से प्यारा है, न ये चाँद होगा.....
3. यादों की दीवारों पर सर्व संबंधो का सुख है।
4. वैराग्य की पृष्टभूमि है।
5. प्रभुप्रेम की प्यास है।
6. लगन की अग्नि है।
7. वैरायटी झूले है- अतीन्द्रिय सुख का, शांति, प्रेम, आनंद के झूले है।
8. ताज, तख्त और तिलक है।
9. राजधानी दिल्ही और पहेले अव्यक्त मिलन के दिन का आंखो देखा हाल है।
10. स्वमानों की और वरदानो की मालायें है।
11. मर्यादाओं का कंगन है ।
12. अंतर्मुखता की गुफा है।
13. मन का डांस है।
14. इच्छा मात्रम अविद्या की माउथ वोटरिंग स्टेज है।
15. मनमनाभव और मध्याजीभव के महामंत्र है। बाप और वर्सा, अल्फ और बे, मुक्ति और जीवनमुक्ति, बापदादा और कल्याण, अटल और अखण्ड लिखा हुआ है।
16. विचित्र प्रयोगशाला है।
17. दुआओं रूपी दवा है।
18. शुभ भावना- शुभ कामना के इन्ट्रावेनस इंजेक्शन्स है।
19. स्लोगन्स है- अब घर जाना है, हर घड़ी अंतिम घड़ी है, अब कर्मातीत बनना है आदि।
20. लाइट हाउस और माइट हाउस है।
21. चार धाम है, तपस्या धाम, अनुभूति धाम है।
22. एडवांस पार्टी के अनन्य आदि रत्नो को बाबा ने इमर्ज किया है।
23. शांति स्तम्भ के ऊपर लिखे एक एक ईश्वरीय महावाक्य है।
24. पहुँच जाना, आ जाना, पहुँच जाना, आ जाना के स्वर है।
25. लाल श्याही में लिखे हुये वो खत है।
26. अष्ट शक्तियां और नव निधियां है।
27. वैजयन्ती माला, रुद्र माला और रुण्ड माला है।

28. प्रीत, गीत, मीत और रीत लिखा हुआ है।
29. वैरायटी सितारें है- सफलता के, लकी, ऊम्मीदवार।
30. भिन्न भिन्न मणियाँ है- मस्तक मणि, संतुष्ट मणि, हदय मणि ।
31. उड़ती कला के रॉकेट है, उमंग उत्साह की फूल-झड़ीयाँ, आत्मिक बॉम्ब और परमात्म बॉम्ब है।
32. दिल रूपी डिब्बी में अश्क रूपी मोती है।
33. वैरायटी श्रृंगार के सेट है- मस्तक पर, होठों पर, गले में, हाथों में आनंद स्वरूप बनने का श्रृंगार सेट है। ऐसे अन्य गुण-शक्तियों का भी सेट है।
34. तीन बिंदियाँ है- स्वयं, बाप और ड्रामा।
35. ज्ञान, गुण, शक्तियाँ, सर्व खजानों की खान है, जिसको कोई ताला चाबी नही लगी है। लेकिन वो खुलेंगे डबल चाबी से ही- आप और बाप, ब्रह्मा बाप और शिव बाबा।
36. वैरायटी ड्रिल्स है- पाँच स्वरूप की, चार धाम की, दिन में 12 बार निराकार 12 बार फरिश्ता, तीनों लोको की, बाबा मिलन के समय वाले गीतों पर भिन्न भिन्न ड्रिल्स आदि।
37. वायदों की और प्रतिज्ञाओं की फाईलें है।
38. ये भी लिखा है- मेरे बाबा मेरे साथी आ जाओ, मदद करो।
39. फूलों की मालायेँ है जिसमें एक्सट्रा लड़ीयाँ लगी हुयी है।
40. स्वदर्शन चक्र है।
41. भिन्न- भिन्न मूड्स है- कभी आश्चर्य का चिहन तो कभी क्वेस्चन मार्क, कभी टेंशन तो कभी एटैन्शन, कभी उमंग-उत्साह तो कभी दिल शिकस्त।
42. बाबा की कही हुयी बातें उल्टे नशे के रूप में लिखी हुयी है – कर्मातीत तो अंत में ही बनेंगे ना, अभी सम्पूर्ण बना कौन है?
43. अरजीयां है जैसे कि - बाबा मुझे बंधनमुक्त बना दो। ये काम मेरा आपको करना ही होगा। मेरा योग लग जाये।
44. ऊल्हनें जैसे कि – आप ऐसे समय पर क्यूँ आये जब मैं बुढ़ढ़ी हो गयी? संगम युग पर मुझे गोप ही क्यूँ बनाया? मैं देरी से क्यूँ आया, साकार के समय ज्ञान में क्यूँ नही निकले?
45. कई बाबा को ज्योतिषी समजकर याद करते है अर्थात यादों की दीवारों पर ज्योतिष शास्त्र भी है जैसे कि – मैं बंधनमुक्त हो पाऊँगी? मेरी साँस ज्ञान में चलेगी? मैं समर्पित हो सकूँगा? मेरा ये कर्मभोग कब तक चलेगा?
46. कई कनसल्टन्ट समजकर पूछते है- ये धंधा करू वा वो धंधा करू? शिवबाबा को परमधाम में याद करूँ वा ब्रह्मा की भृकुटि में याद करूँ?
47. उड़ाओ, उड़ाओ, छुड़ाओ, छुड़ाओ की पुकारें भी है।
48. बाबा को भी स्वमान दिलाने वाले वाक्य भी लिखे है अर्थात बाबा को भी याद दिलाते है जैसे की वो भूल गए हो- आप तो क्षमा के सागर हो, सर्वशक्तिमान हो, रहमदिल हो.....
49. बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण बनने का द्रढ़ संकल्प है।
50. दु:खी- अशांत आत्माओं को सर्व प्राप्ति सम्पन्न बनाने की शुभ भावना- शुभ कामना है।
51. वैरायटी मन्सा सेवा की कोमेंट्री है- अलग-अलग दीवारों पर अलग-अलग- कहीं पर दृष्टिबधीर तो कहीं पर किसानों के लिए, कहीं पर कैदीयों के लिए तो कहीं पर आतंकवादीयों के लिए।